सफलता की कहानी

वर्मीकम्पोस्ट, दुग्ध उत्पादन एवं कृषि के माध्यम से महिला सशक्तिकरण

महिला किसान का नाम	:	श्रीमती भारती कुमारी
उम्र	:	30 वर्ष
शिक्षा	:	एम0 ए0
गाँव	:	बगदाहा
प्रखण्ड	:	बोधगया
जिला	:	गया
मोबाईल सं॰	:	9102856831

1. सफलता से पूर्व की स्थिति :

श्रीमती भारती कुमारी, पति श्रीनिवास, ग्राम–बगदाहा, प्रखण्ड– बोधगया, जिला – गया की रहने वाली हैं। इन्होंने एम. ए. की शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपने 10 एकड़ (स्वयं एवं बटाई) की भूमि में 2014–15 में खेती प्रारंभ की। वर्ष 2017–18 में धान 8.5 एकड़, गेहूँ 7.0 एकड़, मसूर 1.0 एकड़, मूँग 1.0 एकड़ साथ में 6 गायें और 8 वर्मीकम्पोस्ट पिट से उनकी वार्षिक आय 4.49 लाख रु0 होती थी। जिससे उनके द्वारा परम्परागत विधि से खेती करने के कारण उत्पादन लागत अधिक होता था। इसके अतिरिक्त, खेत से उत्पादन भी कम प्राप्त होता था। गायों के सही रखरखाव न होने के कारण दुग्ध उत्पादन कम होता था एवं वर्मीकम्पोस्ट की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी एवं उत्पादन भी कम होता था।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका (विवरण) जैसे : (क) जागरूकता (ख) प्रशिक्षण (ग) अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (घ) प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन (च) पैकेजिंग एवं (छ) विपणन

कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, गया के वैज्ञानिक से तकनीकी सलाह एवं प्रशिक्षण (वर्ष– 2018) लेने के बाद उन्होंने अपने आय को बढ़ाने के लिए उन्नत नस्ल की गायों की संख्या 12 से, जिसमें साहिवाल, गिर अन्य देशी नस्लें जो कि गया जिला के लिए उपयुक्त थीं, से गौपालन ‘ शुरू किया। । इसके साथ ही उनके द्वारा समृद्ध वर्मीकम्पोस्ट तैयार किया गया जिसमें जलकुंभी, एजोला, संगमरमर का धूल इत्यादि मिलाते हैं तथा साथ ही इनके द्वारा जैविक सब्जी एवं फसलों की खेती प्रारंभ की गई।

3. उपरोक्त गतिविधियों का परिणाम विवरण में :

इनके द्वारा प्रति वर्ष 350 क्विंटल वर्मीकम्पोस्ट तैयार किया जाता है। इसके साथ–साथ वे प्रतिदिन 60–70 लीटर दूध उत्पादन कर बाजार में विक्री करती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, गया से प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् उन्नत प्रभेद एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने से फसल का उत्पादन भी बढ़ा एवं लागत में कमी भी आई। उन्नत फसल तकनीक, दुग्ध उत्पादन एवं वर्मीकम्पोस्ट के द्वारा इसकी सालाना आय लगभग 10.87 लाख रु0 है। भविष्य में वे ऑर्गेनिक धान, गेहूँ एवं सब्जी उत्पादन कर अपनी पहचान बनाना चाहती हैं।

4. परिणाम :

क्र॰ सं॰	उत्पादन मूल्य (क्विंटल)	लागत (लाख रु॰)	सकल उत्पाद (लाख रु॰)	शुद्ध आय (लाख रु॰)	रोजगार सृजन (श्रमदिवस)
कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका से पहले	वर्मीकम्पोस्ट 8 बेड, पशुपालन – 12775 ली, धान –14 क्वि, गेहूँ – 10 क्वि, मसूर –5 क्वि, मूँग – 4 क्वि	4.29	8.79	4.49	360
कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका के बाद	वर्मीकम्पोस्ट 120 बेड, पशुपालन – 23425 ली, धान –18 क्वि, गेहूँ – 12 क्वि, मसूर – 7.2 क्वि, मूँग – 5.5 क्वि	9.87	20.74	10.87	2190

5. परिणाम (Outcome) का महिला और उनके परिवार/अन्य महिलाओं पर प्रभाव :

गाँव की लगभग 8 महिला किसान एवं पुरूष भी इनसे प्रेरणा लेकर फसल, दुग्ध उत्पादन एवं वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन कर रहे हैं।